मुक्तस्वाध्यायपीठम्

(Institute of Distance Education)

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-११० ०५८

प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Course in Prakrit)

प्रदत्तकार्यम् (Assignment)

2021-22

पत्रम् - ..... विषयः - .....

अध्येतुः नाम - ..... पञ्जीकरणसंख्या - .....

अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकाप्रेषणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा उत्तराणि विलिख्य एतत्पुस्तिकाप्रत्यर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येतुः हस्ताक्षरम्

मूल्याङ्कनकर्तुः नाम - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा एतत्पुस्तिकाप्राप्तिदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा मूल्याङ्कनानन्तरं संस्थाने समर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा प्राप्ताङ्काः -

प्रथमं प्रश्नपत्रम्	निर्धारिताङ्काः	प्राप्ताङ्काः
I.	05 x 02 = 10 अङ्काः	
II.	02 x 05 = 10 अङ्काः	
III.	01 x 10 = 10 अङ्काः	
	पूर्णाङ्काः 30	प्राप्ताङ्काः .....

मूल्याङ्कनपुरस्सरं परामर्शैः सह अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकायाः पुनःप्रेषणदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

स्थानम् – .....

दिनाङ्कः – .....

अध्येतुः कृते परामर्शाः,

प्रिय अध्येता ! भवता/भवत्या पूरितं प्रदत्तकार्यम् अवलोकितम्। मूल्याङ्कनं कृतम्। मूल्याङ्कनस्य आधारेण कुत्र कुत्र भवदीयः दोषः/लोपः/विस्मृतिः/भ्रान्तिः अभवत् इति ज्ञात्वा स्वाध्यायं पुनः प्रवर्तयतु। शुभकामनाः।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

दिनाङ्कः .....

© मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली, २०२१-२२

प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्काः - 100

निर्देशाः– सभी प्रश्न अनिवार्य है। यह प्रश्न पत्र 100 अंकों का है। इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खण्ड है। (क) अति लघुत्तरीय बीस (20), (ख) लघुत्तरीय आठ (8) एवं (ग) दीर्घउत्तरीय दो (2)

खण्ड- क (अति-लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **20 x 2 = 40**

1. अशोक के अभिलेखों कहाँ-कहाँ पर स्थापित है? लिखिए।
2. प्राकृत का काल निर्धारण लिखिए।
3. दिगम्बर आगम ग्रन्थ कितने हैं? लिखिए।
4. अयोगवाह वर्णो का उच्चारण स्थान लिखिए ।
5. 'औ' वर्ण के कितने परिवर्तन होते हैं? लिखिए।
6. पद के आदि, मध्य और अन्त में स्थित सयुंक्त व्यञ्जन के उदाहरण लिखिए।
7. सामान्य प्राकृत के नियम ओकार के स्थान पर शौरसेनी प्राकृत में क्या होता है? सोदाहरण लिखिए
8. अव्यय संधि क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
9. सवपासंडा बहुसुता व असु, कल्लणागमा च असु।पद का अर्थ लिखिए
10. शेषवर्ण का द्वित्व नहीं होता? स्पष्ट कीजिए
11. संधि की परिभाषा देते हुए उसके प्रकार लिखिए।
12. समास का लक्षण देते हुए कर्मधारय समास के दो उदाहरण लिखिए।
13. साहित्य किसे कहते हैं? लिखिए।
14. प्राकृत अनुवाद की पांच कठिनाइयां लिखिए ?
15. स्वर वर्णो का उच्चारण स्थान लिखिए।
16. प्राकृत के किन्हीं पांच ग्रंथों के नाम लिखिए।
17. 'रा' 'ष' 'का' 'स' किस सूत्र से होता है? लिखिए

18. प्राकृत की व्युत्पतियों को सोदाहरण लिखिए।

19. शब्दरूपों की विशेषताएं लिखिए।

20. संज्ञा शब्दरूप एवं सर्वनाम शब्दरूप में क्या अन्तर है? लिखिए।

21. प्राकृत धातुरूपों लिखिए।

22. अकारान्त शब्दों के विभक्ति-चिन्ह लिखिए।

23. मच्चु, हरी, तुम्ह, सव्वण्णु शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए।

24. वर्तमानकाल के सामान्य नियम और लट् लकार के प्रत्यय लिखिए।

25. मध्यवर्ती असंयुक्त व्यञ्जन-परिवर्तन के पाँच उदाहरण लिखिए।

खण्ड- ख (लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5 x 8 = 40**

1. सामान्य प्राकृत की 10 प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।

2. 'औ' शब्द का परिवर्तन किन-किन वर्णों में होता है? सोदाहरण लिखिए।

3. प्राकृत साहित्य का परिचय लिखिए।

4. प्राकृत शब्दरूपों के विभक्ति विशेषताएं लिखिए।

5. प्राकृत धातुरूपों की विशषेताएं लिखिए।

6. प्राकृत के महत्व पर स्वनिबंध लिखिए।

7. प्राकृत अनुवाद करते समय आने वाली कठिनाईयों को लिखिए।

8. भाषाशास्त्रीय दृष्टि से प्राकृत का का विवेचन कीजिए।

खण्ड- ग (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **2 x 10 = 20**

1. प्राकृत अध्ययन की प्रासंगिकता विषय पर निबंध लिखिए।

2. प्राकृत और संस्कृत के अन्त:सम्बंध पर सोदाहरण निबंध लिखिए।

3. स्वर और व्यंजन परिवर्तनों को सोदाहरण लिखिए।

4. प्राकृत अध्ययन और अध्यापन की दशा और दिशा पर आज के परिप्रेक्ष्य में विवेचन कीजिए।